जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 28 संख्याः 325 प्रभात अजमेर, सोमवार 24 जून, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

क्वाकह बहुत ही आकर्षक मार्सूपियल जीव हैं, जो अपने नवजात शिशु को कुछ माह अपने पेट पर बनी थैली में रखते हैं। दक्षिण पश्चिम ऑस्ट्रेलिया में पाए जाने वाले ये जीव किसी के भी चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं। इन्हें ''हैपिएस्ट एनिमल ऑन अर्थ'' कहते हैं क्योंकि, इनका चेहरा सदा मुस्कुराता हुआ लगता है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में पर्थ के तट से कुछ दूर रॉटनैस्ट आईलैंड एक पर्यटन स्थल है और वर्तमान में क्वाकह का प्रमुख आवास हैं। यहां इनकी आबादी लगभग दस हजार है। डच उपनिवेशवादी सबसे पहले 11 वीं सदी में यहां आए थे, उन्हें क्वाकह चूहे जैसे लगे तो उन्होंने द्वीप का नाम ''रॉटनैस्ट'' रख दिया। जिसका डच भाषा में अर्थ है ''रैट'स् नैस्ट''। वैंडरबिल्ट युनिवर्सिटी की वैज्ञानिक लरीसा डि सैन्टिस ने कहा कि, क्वाकह की तरफ पर्यटक आकर्षित होते हैं और पास जाने की कोशिश करते हैं लेकिन वो एक बात नहीं जानते कि, क्वाकह लोगों को काट लेने के लिए विख्यात हैं।'' कभी वैस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में अच्छी खासी तादाद में मिलने वाले क्वाकह अब कुछ ही द्वीपों पर और दक्षिण पश्चिम के घने जंगल के कुछ क्षेत्रों में ही सिमट कर रह गए हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि, प्राकृतिक आवास में इनकी आबादी मात्र 15,000 रह गई है जिससे यह प्रजाति वल्नरेबल (खतरे के करीब पहुंच चुके) वर्ग में आ गई है। ऑस्ट्रेलिया मेनलैंड में आपको क्वाकह कम दिखेंगे। पर हालिया वर्षों में सघन वन क्षेत्रों में भी क्वाकह मिलने लगे हैं, क्योंकि, वहां भोजन प्रचुरता से मिल जाता है। लरीसा कहती हैं कि, हमेशा से ऐसा नहीं था, 1920 और 1930 के दशक में मेनलैंड पर काफी तादाद में क्वाकह रहते थे। असल में यूरोपियन्स और उनके साथ आई प्रजातियों ने उन्हें द्वीपों की ओर धकेला है। ऑस्ट्रेलिया में जब यूरोपियन्स आए तो वे अपने साथ लोमड़ी, बकरी और खरगोश लाए। इन बाहरी प्रजातियों ने यहां की उन प्रजातियों को बाहर कर दिया जो कमज़ोर थीं। आज क्वाकह द्वीपों पर फलफूल रहे हैं, क्योंकि वहां लोमडियां नहीं जा सकतीं। हालांकि, वहां जहरीले सांप, ऑस्त्री पक्षी आदि का खतरा है। तथापि, मेनलैंड में रहने वाले क्वाकह को जंगल की आग, सूखे और शहरीकरण का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रेस मार्क्स पाने वाले छात्रों की दोबारा हुई नीट परीक्षा

1563 छात्रों के लिए दोबारा एग्ज़ाम कंडक्ट किया गया था लेकिन 50 प्रतिशत परीक्षार्थी परीक्षा देने ही नहीं पहुँचे

- **गौरतलब है कि, सी.बी.आई. ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की लिखित शिकायत के आधार पर नीट/यूजी में कथित अनियमितताओं के मामले में आपराधिक मामला दर्ज किया है। इस मामले में बिहार और देश के अन्य राज्यों में पेपर लीक के आरोपियों की धरपकड़ की जा रही है।**
- **रविवार को मीडिया में यह भी खबर आई कि, नैशनल टैस्ट एजेंसी (एन.टी.ए.) के सभी पोटर्ल्स हैक कर लिये गये हैं एक भी पोर्टल काम नहीं काम रहा। हालांकि, बाद में एन.टी.ए. के अधिकारियों ने इस खबर को अफवाह करार दिया है।**

नई दिल्ली, 23 जून। नैशनल टैस्टिंग एजेंसी (एन.टी.ए.) ने रविवार को चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के छह केंद्रों पर 1,563 उम्मीदवारों के लिए नीट-यूजी परीक्षा को दोबारा कंडक्ट किया। एन.टी.ए. के मुताबिक, 1,563 अभ्यर्थियों में से 813 ही परीक्षा देने आए, जबकि 750 छात्रों ने यह परीक्षा छोड़ दी। 750 छात्र दोबारा परीक्षा देने ही नहीं पहुँचे। उल्लेखनीय है कि ग्रेस मार्क पाने वालों के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद फिर से परीक्षा कराई गई।

छत्तीसगढ़ में यह परीक्षा दो केंद्रों पर आयोजित होनी थी, जिसमें 602 अभ्यर्थी पुनः परीक्षा के लिए पात्र थे, जिसमें आज 291 अभ्यर्थी परीक्षा देने पहुंचे। वहीं हरियाणा में 494 उम्मीदवारों के लिए दो परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्था की गई थी। इनमें से 287 छात्र परीक्षा में शामिल हुए। मेघालय में 464 पात्र अभ्यर्थियों में से 234 ने आज परीक्षा दी। वहीं गुजरात में एक अभ्यर्थी के लिए पुनः परीक्षा आयोजित की गई।

उल्लेखनीय है कि, सी.बी.आई. ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की लिखित शिकायत के आधार पर नीट/यूजी में कथित अनियमितताओं के मामले में आपराधिक मामला दर्ज किया है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यहां यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि गत पांच मई को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित नीट (यूजी) 2024 परीक्षा के दौरान कुछ राज्यों में कुछ अलग-अलग घटनाएं हुईं।

यह परीक्षा 571 शहरों में 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी, जिसमें 14 विदेशी शहर भी शामिल थे। परीक्षा में 23 लाख से अधिक उम्मीदवार शामिल हुए थे। उन्होंने बताया कि शिक्षा मंत्रालय ने सीबीआई से कथित अनियमितताओं के पूरे मामले की व्यापक जांच करने का अनुरोध किया है, जिसमें षडयंत्र, धोखाधड़ी, प्रतिरूपण, विश्वासघात और उम्मीदवारों, संस्थानों और बिचौलियों द्वारा सबूतों को नष्ट करना, अनियमितताओं का प्रयास करना शामिल है।

मंत्रालय ने सीबीआई से परीक्षा के आयोजन से जुड़े लोक सेवकों की भूमिका, यदि कोई हो, की जांच करने तथा घटनाओं के पूरे दायरे और बड़ी साजिश की जांच करने का अनुरोध किया है। सीबीआई ने तदनुसार एक आपराधिक मामला दर्ज किया है और जांच शुरू की है। मामले की सर्वोच्च प्राथमिकता पर जांच करने के लिए सीबीआई द्वारा विशेष टीमों का गठन किया गया है एवं इन टीमों को पटना और गोधरा भेजा जा रहा है जहां स्थानीय पुलिस ने मामले दर्ज किए हैं।

क्या राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की वेबसाइट हैक कर ली गई थी? क्या एनटीए के दूसरे पोर्टल्स के साथ भी ऐसा ही हुआ था? राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के अधिकारियों ने इस मामले पर रविवार को बयान दिया। उन्होंने दावा किया कि उनकी वेबसाइट और अन्य सभी वेब पोर्टल पूरी तरह से सुरक्षित हैं। एजेंसी की ओर से कहा गया कि इनके हैक होने की खबरें गलत और भ्रामक हैं। मालूम हो कि सोशल मीडिया पर इस तरह की बातें हो रही थीं और कहा जा रहा था कि एनटीए की वेबसाइट के साथ दिक्कत आई है।

दरअसल, राष्ट्रीय प्रात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी-नेट)

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सूरसागर में उपद्रव के तीसरे दिन भी हालात तनावपूर्ण, लेकिन स्थिति काबू में

सूरसागर में हुए उपद्रव का एक वीडियो रविवार को सामने आया, दावा है कि, पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में पथराव हुआ था

- **रविवार को भी लोग घरों में कैद रहे, उपद्रव के आरोप में 67 लोगों पर नामजद मामला दर्ज किया गया है, अब तक 43 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।**
- **विवाद के बाद सूरसागर, प्रतापनगर, देवनगर और राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र में धारा 144 लगाई गई, जो अब तक जारी है।**

जोधपुर, 23 जून (कासं)। जोधपुर के सूरसागर में उपद्रव के तीसरे दिन रविवार को भी हालात तनावपूर्ण रहे, लेकिन स्थिति काबू में है। शनिवार के बाद रविवार को भी लोग घरों में कैद रहे। उपद्रव के आरोप में 67 लोगों पर नामजद मामला दर्ज किया गया है। अब तक 43 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। उपद्रव के तीसरे दिन रविवार को सूरसागर इलाके का पूरा मार्केट बंद रहा, क्षेत्र में शांति रही। मार्केट बंद होने और गर्मी के कारण लोगों की सड़क पर आवाजाही कम रही। दोपहर में कुछ महिलाएं पुलिस कार्रवाई को लेकर सूरसागर थाने पहुंची थी, जहां से उनको समझाकर वापस घर भेज दिया।

सूरसागर में शुक्रवार को हुए उपद्रव का एक वीडियो रविवार को सामने आया। दावा है कि, पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में पथराव हुआ था। सूरसागर इलाके में रविवार को चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात रही। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बनी हुई है। दो पक्षों में विवाद के बाद सूरसागर, प्रतापनगर, देवनगर और राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र में धारा 144 लगाई गई, जो अब तक जारी है। सूरसागर क्षेत्र में जहां विवाद हुआ था, वहां पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है। पुलिस दर्ज मामलों में जांच कर आगे की कार्रवाई कर रही है। क्षेत्र में अब शांति है। पुलिस अधिकारियों ने क्षेत्र के लोगों से मिलकर शांति व्यवस्था बनाए रखने की भी अपील की। सूरसागर में दो पक्षों के बीच हुई झड़प को लेकर रविवार को कमिश्नरेट ऑफिस में कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस कमिश्नर से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस कमिश्नर से आग्रह किया कि, किसी भी प्रकार की एकतरफा कार्रवाई नहीं की जाए और दोषियों को बख्शा नहीं जाए।

प्रतिनिधिमंडल में भोपालगढ़ विधायक गीता बरवड़, सांसद प्रत्याशी करणसिंह उचियारड़ा, जे.डी.ए. के पूर्व चेयरमैन राजेंद्र सोलंकी, महापौर कुंती देवड़ा, लूणी के पूर्व विधायक महेंद्र विश्नोई, उप महापौर अब्दुल करीम जॉनी, जोधपुर उत्तर जिलाध्यक्ष सलीम खान और वकील आनन्द पुरोहित शामिल रहे।

इलाके में एहतियात के तौर पर फायर ब्रिगेड को तैनात किया गया है। शुक्रवार रात को हुए हंगामे में दो पुलिसवाले भी घायल हुए थे। इस दौरान उपद्रवियों ने एक दुकान में आग भी लगा दी थी। भीड़ को कंट्रोल करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले भी छोड़े। करीब तीन घंटे तक यह हंगामा चलता रहा। उपद्रव की रात के वीडियो सामने आ रहे हैं। एक वीडियो में पुलिस प्रशासन पर पक्षपात का आरोप लगाया जा रहा है। दावा है कि, पुलिस कर्मियों की मौजूदगी में कुछ लोगों ने पथराव किया। यह वीडियो शुक्रवार रात प्रभावित इलाके के एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'राहुल गांधी तमिलनाडु शराब त्रासदी पर चुप क्यों हैं'

नई दिल्ली, 23 जून। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तमिलनाडु जहरीली शराब मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने की मांग की है। उन्होंने रविवार को कहा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस नेता

- **वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सवाल किया कि, तमिलनाडु में जहरीली शराब पीने से 56 लोंगों की मौत हुई है तथा 200 लोग अस्पताल में भर्ती है, अधिकांश लोग अनुसचित जाति के हैं, लेकिन राहुल गांधी कहां हैं।**

राहुल गांधी को इस पर बयान देना चाहिए। सीतारमण ने कहा कि 200 से ज्यादा लोग अब भी गंभीर अवस्था में अस्पताल में हैं। कुल 56 लोगों की मौत हो गई है और उनमें से ज्यादातर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जमानत रद्द होने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुँचे मु.मंत्री केजरीवाल

केजरीवाल के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में जल्द से जल्द सुनवाई करने की अपील की है

- **केजरीवाल ने याचिका में अपील की है कि, लोअर कोर्ट से जमानत मिलते ही हाई कोर्ट ने जिस तरह से उनकी जमानत पर रोक लगाई है वह कानून के बिल्कुल विपरीत है।**
- **गौरतलब है कि, लोअर कोर्ट से अरविंद केजरीवाल को जमानत मिल गई थी लेकिन अगले ही दिन हाई कोर्ट में ई.डी. के विरोध करने पर रिहाई से ऐन पहले हाई कोर्ट ने उनकी रिहाई पर रोक लगा दी।**

नई दिल्ली, 23 जून। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा उनकी जमानत पर रोक लगाने के खिलाफ अब सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शराब घोटाले में आरोपी अरविंद केजरीवाल ने जमानत पर रोक लगाए जाने के बाद देश की सबसे बड़ी अदालत में अपनी याचिका लगाई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सीएम अरविंद केजरीवाल के वकीलों ने अदालत से गुहार लगाई है कि वो सोमवार को इस मामले में सुनवाई करे।

बताया जा रहा है कि, इस याचिका में केजरीवाल की तरफ से कहा गया है कि दिल्ली हाई कोर्ट ने जिस तरह से उनकी जमानत पर स्टे लगाया है वो कानून के निर्देशों के विपरित है और यह बुनियादी मौलिक सीमा का उल्लंघन भी है। याचिका में यह भी कहा गया है कि हाई कोर्ट द्वारा जमानत पर स्टे लगाने से याचिकाकर्ता को दुख पहुंचा है लिहाजा कोर्ट के इस आदेश को एक पल के लिए भी जारी नहीं रखा जाना चाहिए। शीर्ष अदालत से गुहार लगाई गई है कि वो हाई कोर्ट द्वारा लगाए गए स्टे को रद्द करें और अनुरोध किया गया है कि याचिकाकर्ता को जमानत दी जाए।

अरविंद केजरीवाल अभी तिहाड़ जेल में बंद हैं। ई.डी. ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े केस में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। बीते गुरुवार को इस पूरे प्रकरण में एक दिलचस्प मोड़ आया। दरअसल दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को रेगुलर बेल दे दी थी।

लेकिन इससे पहले कि केजरीवाल तिहाड़ जेल से बाहर आते प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने सीएम केजरीवाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गाजियाबादः सिलैण्डर फटने से छः लोग झुलसे

गाजियाबाद, 23 जून। गाजियाबाद से दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां एक घर में एलपीजी सिलेंडर में लीकेज के चलते आग लग गई जिसमें मां और उनकी दो बेटियों की झुलस कर मौत हो गई। आग में झुलसे कुल 6 लोगों में से 3 की हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि आग एलपीजी

- **इस हादसे में घर में मौजूद माँ और उसकी दो बेटियों की मौके पर ही मौत हो गई व तीन अन्य लोग अस्पतातल में भर्ती हैं।**

सिलेंडर में लीकेज के चलते लगी।

न्यू डिफेंस कॉलोनी में नाथूराम के मकान में उनके साले मुकेश रहते हैं। परिवार में मुकेश के 17 वर्षीय बेटे अंकित के अलावा मुकेश की पत्नी 35 वर्षीय बागमती, 18 साल के प्रियंका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तीस्ता प्रोजैक्ट पर तरसता रह गया चीन, भारत ने बाजी मार ली

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने खुद दिल्ली आकर समझौता पूरा किया और भारत को तीस्ता प्रोजैक्ट को डवलप करने की जिम्मेदारी सौंपी

- **तीस्ता नदी जल प्रोजैक्ट को विकसित करने के लिए एक टीम जल्द ही बांग्लादेश जायेगी, प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री शेख हसीना के बीच शनिवार को इस मुद्दे पर सहमति बनी।**
- **इस बड़ी परियोजना का महत्व इसलिए बढ़ गया है क्योंकि चीन ने भी परोक्ष तौर पर इसमें रुचि दिखाई है। इस परियोजना के तहत तीस्ता नदी के पानी के प्रबंधन और संरक्षण के लिए बड़े जलाशय और संबंधित बुनियादी ढांचे का निर्माण करने की परिकल्पना की गई है।**

नई दिल्ली, 23 जून। भारत और बांग्लादेश ने शनिवार को नए क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए भविष्य की योजना पर सहमति जताई और समुद्री क्षेत्र समेत कई अहम क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देने के लिए 10 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शेख हसीना के बीच हुई बातचीत के प्रमुख परिणामों में तीस्ता नदी के संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए एक बड़ी परियोजना के लिए भारत द्वारा एक तकनीकी दल को जल्द ही बांग्लादेश भेजना, एक व्यापक व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ना और रक्षा संबंधों को बढ़ावा देना शामिल है।

बता दें कि चीन लंबे समय से ढाका को इस बात के लिए राजी करने में लगा था कि उसे तीस्ता बेसिन को विकसित करने का मौका दिया जाए। हालांकि बांग्लादेश भूराजनीतिक समीकरणों को देखते हुए भारत के साथ ही काम करने को सहमत हुआ है। इस बड़ी परियोजना का महत्व इसलिए बढ़ गया है क्योंकि चीन ने भी परोक्ष तौर पर इसमें रुचि दिखाई है। इस परियोजना के तहत तीस्ता नदी के पानी के प्रबंधन और संरक्षण के लिए बड़े जलाशय और संबंधित बुनियादी ढांचे का निर्माण करने की परिकल्पना की गई है।

परियोजना पर यह कदम दोनों देशों के बीच तीस्ता जल बंटवारे पर एक समझौता होने के लंबे समय से लंबित प्रस्ताव के बीच उठाया गया है। इस समझौते पर सितंबर 2011 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की बांग्लादेश यात्रा के दौरान हस्ताक्षर होने थे, लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आपत्तियों के कारण इसे अंतिम समय में स्थगित कर दिया गया था। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि भारत उपयुक्त भारतीय सहायता से बांग्लादेश के अंदर तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन की योजना बना रहा है।

दोनों पक्षों ने डिजिटल क्षेत्र, समुद्री क्षेत्र, समुद्री अर्थव्यवस्था, रेलवे, अंतरिक्ष, हरित प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और चिकित्सा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने के लिए 10 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। दोनों पक्षों ने दो ''विश्वसनीय'' पड़ोसियों के बीच कई नए क्षेत्रों में परिवर्तनकारी सहयोग के लिए एक ''भविष्यवादी दृष्टिकोण'' पर भी सहमति जताई। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच वार्ता का मुख्य जोर डिजिटल और ऊर्जा संपर्क में भारत-बांग्लादेश सहयोग को बढ़ाने के तरीकों का पता लगाना था। साथ ही दोनों पक्षों ने दोनों देशों के बीच सीमाओं के शांतिपूर्ण प्रबंधन की दिशा में काम करने का संकल्प लिया।

मोदी ने मीडिया को संबोधित करते हुए लोगों के बीच आपसी संपर्क को दोनों देशों के बीच संबंधों का आधार बताया और कहा कि बांग्लादेश से इलाज के लिए भारत आने वाले लोगों के लिए भारत ई-मेडिकल वीजा सुविधा शुरू करेगा।

भारत ने रंगपुर में एक नया सहायक उच्चायोग खोलने का भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोच्चि एयरपोर्ट पर 19 करोड़ की कोकीन जब्त

कोच्चि, 23 जून। केरल में कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दो तंजानियाई यात्रियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 19 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त की गयी है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने विशिष्ट सूचना के आधार पर हवाई अड्डे पर एक पुरुष और एक महिला यात्री को गिरफ्तार कर लिया।

- **कोकीन की तस्करी कर रहे दो तंजिनियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया है।**

दोनों पर कोकीन की तस्करी करने का आरोप है। डीआरआई के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले सप्ताह यात्रियों की एक्स-रे जांच की गई थी, जिसमें उनके पेट में कुछ कैप्सूल पाए गए थे। दोनों यात्रियों को हवाई अड्डे के निकट एक निजी अस्पताल ले जाया गया और उनके शरीर से नशीली दवा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)